



मुम्बई-घाटकोपर। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. नलिनी दीदी, ब्रह्माकुमारीज घाटकोपर सबजोन द्वारा साठ वर्षों से लोक हित में किये गये अथक, निःस्वार्थ सेवाओं के फलस्वरूप मध्य अमेरिका के विश्वविद्यालय ने उन्हें 'डॉक्टर ऑफ लेटर्स' की उपाधि प्रदान की। दीदी को इस उपलब्धि पर मुम्बई के एचएसएनसी विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. निरंजन हीरानंदानी, प्रोवोस्ट, एचएसएनसी युनिवर्सिटी ने शानदार सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. किशु मनसुखानी, एचएसएनसी विश्वविद्यालय के प्रिजिडेंट, डॉ. हेमलता बागला, एचएसएनसी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर, ब्र.कु. शकु दीदी, प्रो. ब्र.कु. राजकुमार भाई, ब्र.कु. निकुंज भाई आदि उपस्थित रहे।

तब मैंने अपनी जर्नी शुरु की....

एक एक्सपेरिमेंट करके देखते हैं...

गतांक से आगे...

जब मैंने अपनी जर्नी शुरु की तो यहाँ ब्रह्माकुमारीज में ये जो रोज स्टडी करवाते हैं, ये परमात्मा के डायरेक्ट महावाक्य हैं। तो रोज इसको स्टडी करो। तो मैंने पूछा कि क्या-क्या करना है इसके लिए? तो उन्होंने कहा कि जैसे रोज सुबह तीन दिन आपने यहाँ किया, वैसा घर जाने के बाद रोज सुबह करना। और जैसे आपने रोज यहाँ क्लास की वहाँ जाकर रोज आप आधे घंटे के लिए करना और बाकी टाइम अपने काम पर जाना। मैंने फिर पूछा कि और क्या करना है? तो उन्होंने कहा कि सात्विक भोजन खाना, मैंने बोला अभी खाना भी चेंज करना पड़ेगा! तो बोले चेंज करना नहीं पड़ेगा, अगर आप चेंज करेंगे तो आपका एक्सपेरिमेंट जल्दी पूरा हो जायेगा। क्योंकि हम प्युअर कॉन्शियसनेस पर एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं। क्योंकि हम चैतन्य आत्मा पर एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं। हम सर्वोत्तम चेतना से जुड़ने का एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं। हम जीवन की पवित्रता पर एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं। प्युरिटी एंड पॉवर। तो खाना भी कैसा होना चाहिए? जैसा अन्न वैसा मन, जैसा पानी वैसी वाणी। अब यहाँ से हम जर्नी शुरु करते हैं कि मुझे प्युअर सोचना है, मुझे लव करना है, एक्सपेट (स्वीकार) करना है।

बाहर से हम ऐसा भोजन खा लेते हैं जिसमें कौन-सी वायब्रेशन हैं? किसी को बांधा गया है और कैसी-कैसी कैप्टिविटी (कैद) में रखा जाता है। कैसी स्थिति में। और उसको पता है कि मुझे 15-20 दिन के अन्दर मारा जाने वाला है। सिर्फ एक मिनट आप अपने को उस स्थिति में रख कर देखें तो उस टाइम हमारे अन्दर कौन-से इमोशन (भावनायें) क्रियेट होंगे? डर, क्रोध, नफरत, असहाय, मैं कुछ कर नहीं सकता। तभी



ब्र.कु. शिवानी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

तो कहा जाता है कि जैसा अन्न वैसा मन। यहाँ बैटरी को चार्ज करने की कोशिश की, एक लंच खाया फिर डिस्चार्ज। फिर शाम को मेडिटेशन किया, बैटरी चार्ज हुई, फिर रात को डिनर किया फिर बैटरी डिस्चार्ज। तो कितने दिन में पहुंचेंगे देयर इज ए इज इक्वल टू बी पर? थोड़े दिन करेंगे और फिर कहेंगे कि ऐसे ही है कुछ नहीं है छोड़ दो।

तो कई बार हम पूछते हैं कि क्या यहाँ वेजिटेरियन (शाकाहारी) बनना पड़ेगा? बनना कुछ नहीं पड़ता, कोई मजबूरी नहीं, कोई जबरदस्ती नहीं, कोई फोर्स नहीं यहाँ राय दी जाती है सिर्फ। राय उन बातों पर दी जाती है किन-किन चीजों से आपकी फ्रिक्वेंसी बढ़ सकती है, और किन-किन चीजों से आपकी फ्रिक्वेंसी घट सकती है।

एक एक्सपेरिमेंट करके देखते हैं घर जाने के बाद। तीन महीने के लिए सिर्फ। सात्विक अन्न खाकर देखते हैं, सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट के रूप में। जब हमारे घर में किसी की डेथ होती है, जब बॉडी घर में पड़ी है तो खाना नहीं बनता है। कुछ तो रीजन (कारण) होगा कि उस दिन घर पर खाना

नहीं बनता। रीजन होगा कोई, वायब्रेशन कौन-से हैं, एनर्जी कौन-सी है, जब वो डेड बॉडी घर से निकल जाती है, शमशान में जाते हैं, सब कर देते हैं, फिर क्या करते हैं हाथ धोते हैं, मुंह धोते हैं उधर ही। क्या धो रहे हैं? घर आते हैं सबसे पहली चीज क्या करते हैं? पहले नहाते हैं, कपड़े धोने में डालते हैं फिर पूरे घर को धोते हैं, फिर किचन खुलता है। अपनी ही फैमिली मेम्बर थी। अपनी ही फैमिली की बॉडी का घर में होते हुए किचन में खाना नहीं बनता। और पता नहीं किस-किस बॉडी का तो रोज खाना बन रहा है। फ्रिज में क्या-क्या रखा हुआ है। शमशान घाट के नजदीक घर नहीं लेते, कहते हैं वास्तु ठीक नहीं है। एनर्जी ठीक नहीं है। और फ्रिज में क्या बना हुआ है? एक महीना पुराना रेफ्रीजरेटर में पड़ा हुआ है। क्या वास्तु होगा?

हम जब निमंत्रण देने जाते हैं तो कुछ लोग तो इसी कारण से मना कर देते हैं आने से कि हम तीन दिन तो उस चीज के बिना रह ही नहीं सकते। जब हम किसी भी चीज के लिए कहते हैं कि हम इसके बिना रह नहीं सकते, आत्मा की पॉवर घट जाती है, नीचे आ जाती है। हम हीलर्स हैं, इतने कमजोर तो हम हो ही नहीं सकते। और कोई चीज हम क्यों ऐसे लें जो न आत्मा के लिए, जो न शरीर के लिए सही है। तो आज एक कनेक्शन उससे जोड़ कर, एक चीज को तो सरेन्डर करते हैं। अगर हम अपनी मोटी-मोटी आदतों को नहीं छोड़ पायेंगे तो सूक्ष्म संस्कारों को चेंज करना, वो मुश्किल हो जाता है। इसलिए पहले सयंम और नियम मोटी-मोटी चीजों का। परिवर्तन लाने के लिए जरूरत है सिर्फ अनुशासन की। ये किसी भी चीज के लिए है। जब हम कुछ बनने के लिए इतनी सब मेहनत कर सकते हैं तो ये सब करने से तो हम फरिश्ता सो देवता बनेंगे तो इसके लिए क्यों नहीं!

रह जीवन है

इंसान अपने जीवन के खालीपन को किसी न किसी के संग से अथवा कुछ न कुछ काम करके भरता रहता है, जब तक उसे वह चीजें मिलती रहती हैं, तब तक उसका जीवन सहजता से चलता रहता है, और उन चीजों के हटते ही जीवन में असहजता आ जाती है।

अतः जब हम अपने खालीपन को बाहरी तथ्यों से भरते रहेंगे तब तक हमारा भरपूर होना संभव नहीं हो सकता, अर्थात् भरपूरता के लिए श्रेष्ठ विचारों से खुद को भरपूर करना अतिआवश्यक होता है।



दिल्ली-करोल बाग (पाण्डव भवन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'देश का गौरव है नारी' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए अनुजा कपूर, बीजेपी प्रवक्ता, लॉयड, क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट, बबीता भरीजा, निगम पार्षद पहाड़गंज, आर.जे. विभा बहन, ऑल इंडिया रेडियो 100.1 एमएचजेड एफ.एम. गोल्ड अंदाज ए बयां कार्यक्रम की संचालक, राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी, मनदीप कौर बक्शी, पूर्व निगम पार्षद, विदुषी कौशिक बहन, एसीपी करोल बाग, राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, डॉ. आइशा रजा, उप चिकित्सा अधीक्षक, आयुर्वेदिक एंड यूनानी तिब्बिया कॉलेज, कनिका मलिक, एनआईएससीएआईआर की प्रिंसिपल साइंटिस्ट, ब्र.कु. विजय बहन, ब्र.कु. सोनिया बहन तथा अन्य।



पौर-गुज। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव ध्वजारोहण के पश्चात वडोदरा जिला पंचायत के प्रमुख अशोक भाई पटेल को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. धीरज बहन। साथ हैं प्रकाश भाई तथा विजय भाई।



अलीराजपुर-म.प्र.। 'होली मिलन समारोह' के दौरान मंचासीन हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. माधुरी बहन, ब्रह्माकुमारीज धार्मिक प्रभाग के क्षेत्रीय संयोजक ब्र.कु. नारायण भाई, इंदौर, मुख्य अतिथि संत चंद्र सिंह तथा वक्ता नटवर सिसोदिया, सहायक संचालक, शिक्षा विभाग।



बरेली-रायसेन (म.प्र.)। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र एवं ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रभाग द्वारा 'समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में ब्र.कु. डॉ. रीना बहन, भोपाल, ब्र.कु. रावेन्द्र भाई, भोपाल, ब्र.कु. शिवराम भाई, सुरेश कुमार बिंदुआ, ब्यूरो चीफ, राज एक्सप्रेस बरेली, संजय शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार एवं ब्यूरो चीफ राजधानी एक्सप्रेस एवं समय जगत, भगवान दास राठी, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी संपादक कृष्णक जगत पत्र तथा शहर के अन्य गणमान्य पत्रकार बंधुओं सहित ब्र.कु. जयंती दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. जागृति बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



राँची-हरमू रोड (झारखण्ड)। 'होली मिलन समारोह' में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. अर्चना चौधरी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, सुभाष चन्द्र गर्ग, डीजीएम, नाबाई बैंक, अंकित रावल, सहायक प्रबंधक, मटेरियल मैनेजमेंट, सीएमपीडीआई, क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी तथा अन्य।